











## पौष्टिक पेय से नुकसान

**रा** पौष्टिक वाल अधिकार संरक्षण आयोग की जांच के बाद सामने आया था कि खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत स्वास्थ्य पेय की कोई अधिकारिक परिभाषा नहीं थी। जिसका फायदा कारोबारी कंपनियां अपने तर्डों को स्वास्थ्यवर्धक बताकर उठाती रही हैं। कैसी विवरण है कि जिस उत्पाद को कंपनियां स्वास्थ्यवर्धक बताकर वर्णों तक अधिकारकों से मुनाफा कमाती रहीं, वही उत्पाद बच्चों के लिये स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां भी पेश करता रहा है। वहीं दूसरी ओर इसी महीने की शुरुआत में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्रधिकरण ने भी खुलासा किया था कि डेवरी, अनाज या मालूट आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य या ऊज़ा बढ़ाने वाले पेय के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्यवर्धक व ऊज़ा बढ़ाने वाले पेय के नाम पर बड़ा गोर्खाधंगा लागता रहा है। निश्चित रूप से तंत्र को किहीं और निगरानी करने वाले विभागों की मिलाई भवित्व से वह खेल दशकों से बदलता जारी था। देस से ही सही, तंत्र ने उभोका के हितों की रक्षा के लिये पहल की ओर विश्वास किया जाना चाहिए कि अच मामलों में भी उपभोक्ता हितों को बढ़ावा दिया जाएगा। लेकिन ग्रामक आधार पर स्वास्थ्यवर्धक की लेबलिंग के मुद्दे ने ऐसे उद्योग जगत के अपने निश्चने पर ले लिया। उल्लेखनीय है कि बाजार में एनजी ड्रिंक शब्द विशेष रूप से कावोनेटेंड और पैर-कावोनेटेंड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को संबंधित करता है। जबकि इन पेय पदार्थों में चीनी की अधिक मात्रा स्वास्थ्य के लिये गंभीर चुनौती पैदा हो सकती हैं। जिसमें ऊज़ी उम्र में मोटापा, मधुमेह और वारों से जुड़े कई रोग पैदा हो सकते हैं। जर्मनी, ब्रिटेन सहित विकसित देशों में वहीं कंपनियां बेहतर और कम चीनी वाला उत्पाद बेचती हैं।

## खतरे की घंटी

**अं** तरास्ट्रीय संस्था आमस पिकेटी व तीन अर्थस्थानियों द्वारा तैयार रिपोर्ट चौंकाने वाले निश्चित पेय करती है कि भारत में वर्ष 2022-23 में देश के शीर्ष एक फीसदी अपीरों की देश की संपत्ति में 40 फीसदी हिस्सेदारी है। वहीं उनकी आय में हिस्सेदारी 22.6 फीसदी है। यानी हमारी धन केंद्रित अधिकारी के चलते देश में अर्थिक असमानता की ओर ही इशारा करती है। जिसके लिये एनजी उम्र में मोटापा, मधुमेह और वारों से जुड़े कई रोग पैदा हो सकते हैं। जर्मनी, ब्रिटेन सहित विकसित देशों में वहीं कंपनियां बेहतर और कम चीनी वाला उत्पाद बेचती हैं।

## कुंभ स्नान

## धर्म-प्रवाह

## अधिजीत

जल से स्नान को पवित्र माना गया है। कुंभ के दौरान नदी और कुण्ड में डबकल लगाने की परंपरा इसी बात का प्रतीक है। ऋषेवद के पहले मंडल के 23वें सूक्ष्म में देवी अपां का उल्लेख है। उनकी पार्थिवा कुछ तरह से की गई है: मैं उस जल देवी को आर्थिकरण करता हूं, जिन्हें हमारा पूज्य वेनु (गाव) भी ग्रहण करती है। जल में देवी और अपार्ण और औषधीय गुण हैं। उनकी उपर्युक्त नदी और कुण्ड में डबकल लगाने की अपां का उल्लेख है।

6. उषा भास्तवी नेत्री सुनुतानमर्ती चित्रावि दुरो न आवः। प्राप्य जगद्वृत्ते नो राया अस्त्वां उपर्युक्तवानि विवाह। सुष्टि का चक्र, उसका सौर्य, लगातार बहलाव की अनुभूति से वेष लिखने वाले संघर्ष कर रहा है। उसके पास भरपूर खाद्य पर्वथ है। वह पृथि, पर्वी, कीटों से संवाद करती है। वन देवी और मानव के पुरातन रिश्ते हैं। इन सभी वालों का उल्लेख ऋषेवद के सूक्ष्म में देवी अपां का उल्लेख है।

6. उषा भास्तवी नेत्री सुनुतानमर्ती चित्रावि दुरो न आवः। प्राप्य जगद्वृत्ते नो राया अस्त्वां उपर्युक्तवानि विवाह। सुष्टि का चक्र, उसका सौर्य, लगातार बहलाव की अनुभूति से वेष लिखने वाले संघर्ष करता है।

आजनमध्ये सुष्टि बहनां अकृपीयवालाम्। प्राहं मृगाणां मातरं अरण्यानि अशसिष्यम्।

बहाने ...

## कॉटून वर्ल्ड



सामाजिक दृष्टिकोण

## माया का दांव

पश्चिमी उत्तर प्रदेश की राजनीति बेहद पेंचवा होती जा रही है। बसपा अव्यक्त मायावी ने अपनी पहली चुनावी सभा में सहारनपुर में यह घोषणा करके बड़ा धमाका किया है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक खंडपीटी इसी क्षेत्र के स्थानियत की जाएगी। यह एक चुनावी दंव है इसका असर देखना होगा।

- वीरेंद्र, रंची

## विकास के मुद्दे

उमीद भी है कि भाजपा सरकार ने जिस तरह आंटेकल 370, तीन तलाक और राय जम्भूभूमि का बाद पूरा किया है, उसी प्रकार ये वादे भी भाजपा पूरे करेगी। लेकिन वेरोजगारी, गरीबी के मुद्दे कैसे दूर होंगे, ये साध नहीं हैं। लोकसभा चुनावों के पहले चरण के दौरान कराया जायेगा। मतदाता लोकसभा चुनावों में इस बात का फैसला करेगे कि दिल्ली में किसकी सरकार बनायी या प्रधानमंत्री को बनायेगा। लेकिन इसके साथ ही राज्य का मतदाता इस बात को भी फैसला करेगा। यह घोषणा करके बड़ा धमाका किया है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक खंडपीटी इसी क्षेत्र के वादों पर चुनाव आयोग की विवाद में संज्ञान लेना चाहिए। इस पर कानून भी बनना चाहिए।

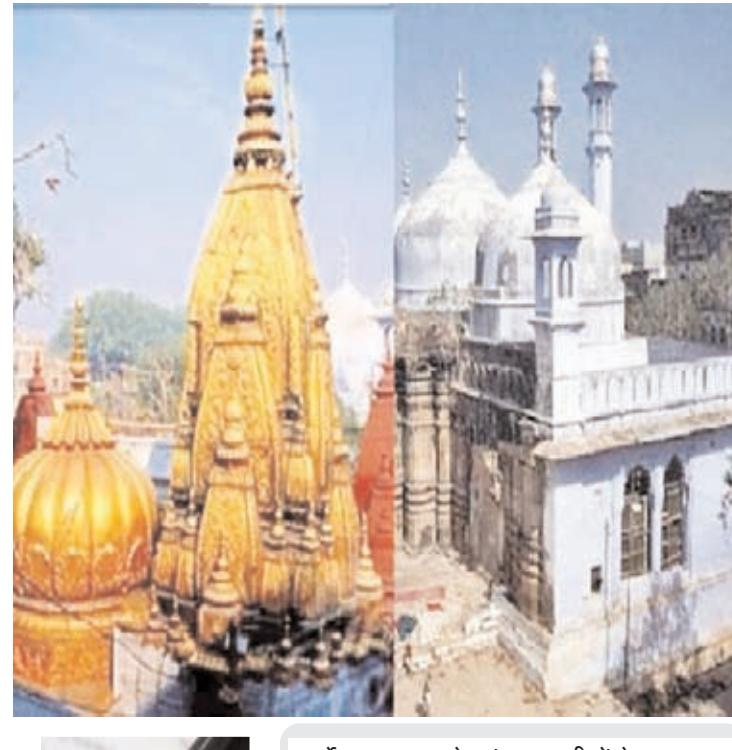
- रवि सिंह, गढ़वा

## अधित्यकि



बीएचयू में चार साल का ग्रेजुएशन डिग्री

## भारत की संस्कृति राममय है यह समझना होगा



भारत की संस्कृति राममय है। राम गार्डनायक हैं। भारत के जीवन दर्शन में सर्वत्र राम समये हुए हैं। भारत की आस्था, भारत का मन, भारत का विचार, भारत का दर्शन, भारत का चिंतन, भारत का विद्यान राम से हैं हैं। भारत का प्रताप, प्रभाव व प्रवाह भी राम हैं। राम मंदिर की प्राणी और विशेष रूप से कावोनेटेंड और पैर-कंटरेंटेंड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को स्वास्थ्य या ऊज़ा बढ़ाने वाले पेय के रूप में लेबल नहीं किया जाना चाहिए। दरअसल, स्वास्थ्यवर्धक व ऊज़ा बढ़ाने वाले पेय के नाम पर बड़ा गोर्खाधंगा लागता रहा है। निश्चित रूप से तंत्र को किहीं और निगरानी करने वाले विभागों की मिलाई भवित्व से वह खेल दशकों से बदलता जारी था। देस से ही सही, तंत्र ने उभोका के हितों की रक्षा के लिये पहल की ओर विश्वास किया जाना चाहिए कि अच मामलों में भी उपभोक्ता हितों को बढ़ावा दिया जाएगा। लेकिन ग्रामक आधार पर स्वास्थ्यवर्धक की लेबलिंग के मुद्दे ने ऐसे उद्योग जगत के अपने निश्चने पर ले लिया। उल्लेखनीय है कि बाजार में एनजी ड्रिंक शब्द विशेष रूप से कावोनेटेंड और पैर-कंटरेंटेंड दोनों तरह के स्वाद वाले पानी आधारित पेय पदार्थों को संबंधित करता है। जबकि इन पेय पदार्थों में चीनी की अधिक मात्रा आर्द्ध श्यापित किया जाता है। आर्द्ध श्यापित करना आर्द्ध श्यापित करना आर्द्ध मित्र, आजाकारी पुर, आजाकारी शिष्य, आर्द्ध पति, आर्द्ध पिता और आर्द्ध राजा का उत्तराहरण ख्यात के अचारण से प्रस्तुत किया। पूरी अयोध्या के बुवाहे उनके संख्या थे। वह कामादिदोषप्रहित, कुशल संगठनकर्ता, लोक संग्रही, मित्रव्यवहीन में वर्ष

मिलता कि उहोने किसी सज्जन का विरोध या उपहास किया हो। उहोने जो भी किया देशकाल परिस्थित के अनुसार किया राम समस्त और देशकाल सम्मत था।

राजा राम प्रजा के विचार को जानने के लिए आकुल रहते हैं। राज्य के निरीक्षण में वे अंकेले भेष बदलकर निकल जाते हैं। बनासप से लौटने के बाद नागरिक अधिनियम सभा में राम ने धोयाना की जो आनंदित कल्ह खाखह भाई। राम ने कहा कि जो मरे राज्य में जो कुछ भी आपको अनुचित लगे उसको बिना बध्य के आप कहें क्वांकिं लोक अपवाह से वह डरते नहीं हैं। आज के सत्ताधीनों को राम से प्रेरणा लेनी चाहिए। राम ने कहा कि जो राजा को आग्रह नहीं होता तो वह आदर रखते थे। शीतल विनय और औदर्य जो उनका कोई सानी नहीं है।

सर्वोच्च न्यायालय के पांच न्यायाधीशों ने सन 1991 के उस उपासना थला विशेष प्रावधान) अधिनियम का हवाला दिया था जिसमें कहा गया था कि 15 अगस्त, 1947 को देश की स्वतंत्रता के समय जो भी पूजा थल हमें मिले, उनका संरक्षण किया जाएगा। कानून में अयोध्या को अपवाह बताया गया था कि वह संभव है। न्यायाधीश ने लिखा कि इसके अलावा कोई अपवाह नहीं था और न ही वैधानिक या संवेदानिक रूप से संभव था।

## बृहनंदन

राम का कीरी 16 वर्ष की अवस्था में विवाह हुआ। 18 वर्ष की अवस्था में वनवास हुआ। इसके बाद कानान, कठिन धर्मकर भारी, 14 वर्ष बाज में रहे। जंगल, महल, सुख-दुख, निन्दा प्रसंग, यश-अपराध के साथ ही अविवाहित रहा। जबकि इनके बाद राम की अवस्था बदल गयी थी। राम के जीवन के बाद इनके बाद राम की अवस्था बदल गयी थी। राम के जीवन के बाद इनके बाद राम की अवस्था बदल गयी थी। राम के जीवन के बाद इनके बाद राम की अवस्था बदल गयी थी। राम के जीवन के बाद इनके बाद राम की अ









# नवादा लोकसभा क्षेत्र में 40.2 प्रतिशत हुआ मतदान, आठ प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद

एजेंसी

नवादा। कड़ी सुरक्षा के बीच नवादा लोकसभा क्षेत्र के 1796 मतदान केंद्रों पर शुक्रवार को मतदान संपन्न हो गया। कौवाकोल के द्विनामि मतदान केंद्र पर मतदाताओं ने मतदान केंद्र बदल दिए जाने को लेकर वोट बहिकार किया था लेकिन काफी देर से चुनाव प्रेक्षक के अग्रह पर मात्र 20 प्रतिशत मतदान संपन्न हुए। मतदाताओं की उदासीनता के कारण नवादा लोकसभा क्षेत्र में मात्र 40.2 प्रतिशत ही मतदान संपन्न कराया जा सका। नवादा, हिमुआ, गोविंदपुर, रजोली, वारसलीगंज तथा शेखपुरा जिलों के बरवीचा विधानसभा क्षेत्र को मिलाकर नवादा संसदीय क्षेत्र बनाया गया है, जिसमें 20 लाख 6.16 लाख 124 मतदाताओं को अपना मतधिकार का प्रयोग कराया था लेकिन 50% से कम मतदाताओं ने अपना मतधिकार का प्रयोग किया है, जिससे शिरीं गंधीर से देखते हुए अपनी नारजीगी का इजहार करते हुए वोट का बहिकार कर दिया था। दोपहर साढ़े तीन बजे तक एक भी मतदाताओं ने अपने वोट नहीं डाले। वहां तक कि इस मतदान केंद्र पर किसी भी राजनीतिक दल अथवा निर्दलीय प्रत्यायों का पोलिंग ईजेंस (मतदान अधिकारी) तक नहीं पहुंच सका था, जिसके बाद स्थानीय प्रशासन लोगों को लापात्र प्रेरित करती रही। पीठसीन अधिकारी राज सुनारा प्रसाद सिंह ने बताया कि बूथ संख्या-328 पर कुल 362 मतदाताओं में 391 पुरुष एवं 371 महिला हैं। साढ़े तीन बजे तक एक भी मतदाताओं ने अपना वोट नहीं डाले। आजवर्ष के समझाने के बाद तरह बुलास गये। दोनों मतदाताओं के घर दूर रहे। अपना वोट नहीं डालने की खानापूर्ति की।



## आम का टिकोला तोड़ने को लेकर दो पक्षों में मारपीट, दर्जन भर लोग जख्मी

भागलपुर। जिले के गोराडी थाना क्षेत्र के साथ गांव में शुक्रवार को आम का टिकोला तोड़ने को लेकर दो पक्षों में हुए विवाद में दोनों पक्षों से कोरीब एक दर्जन लोग जख्मी हो गए। बताया जा रहा है कि साथ निवासी हरिहर पासवान के नाती द्वारा आम का टिकोला तोड़ लिया गया था। इसको लेकर आम गाठ का रखवाली कर रहे जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कोला नारायणपुर निवासी जब बच्चे का टिकोला तोड़ लिया गया था। इसको लेकर आम गाठ का रखवाली कर रहे हैं और जगदीशपुर थाना क्षेत्र के कोला नारायणपुर निवासी जब बच्चे के पासवान के बुटेली वादव, बुटेली वादव के पुत्र पंकज वादव, लालू टिकोला तोड़ने वाले बच्चे के साथ मारपीट कर रहे। इसकी सूचना जब बच्चे के पासवान को मिली तो वे लोग भी मौके पर पहुंचे और सुखमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है।

कुछ लोग पक्षी, बेटा और बेटी को अपने बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोग गड़बड़ कर रहे उस समय कहीं रोड नहीं था। शिशा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2005 से पूर्व 15 वर्ष तक पति-पत्नी ने

## पति-पत्नी के शासन में बिहार था बदहाल, हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए किया काम : मुख्यमंत्री

खबर मन्त्र चंद्रदाता

**भागलपुर।** भागलपुर के रंगापर्खड़ के तिनटांग में भागलपुर से जदयू उम्मीदवार अजय मंडल के प्रचार के लिए शुक्रवार को आयोजित चुनावी सभा को पुत्र चंद्रन पासवान, कुंदन पासवान संजय पासवान, पुरी सुनीता कुमारी, वर्धी दूर्घर पक्ष के बुटेली वादव, उनके पुत्र पंकज वादव, लालू टिकोला तोड़ने वाले बच्चे के साथ मारपीट कर रहे। इसकी सूचना जब बच्चे के पासवान को मिली तो वे लोग भी मौके पर पहुंचे और सुखमंत्री ने कहा कि हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है।

कुछ लोग पक्षी, बेटा और बेटी को अपने बढ़ा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे लोग गड़बड़ कर रहे उस समय कहीं रोड नहीं था। शिशा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले शिक्षा के क्षेत्र में



मिलकर बिहार में राज किया था। उन लोगों के कार्यकाल में शाम होते ही लोग घर में कैद हो जाते थे। कहा कि वे लोग गड़बड़ कर रहे उस समय कहीं रोड नहीं था। शिशा और स्वास्थ्य व्यवस्था बदहाल हुआ करती थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे पहले शिक्षा के क्षेत्र में

हमने काम किया। छात्राओं को पोशाक तथा स्कूल जाने के लिए साइकिल दिया गया। उसके बाद सड़कों का निर्माण किया। महिलाओं को स्नातक पास करने पर सरकार की ओर से 50 हजार रुपये दिए जाते हैं।

## बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र में पूरे उत्साह के साथ मतदान करेंगे मतदाता : के रवि कुमार

खबर मन्त्र चंद्रदाता

गढ़वा। पलामु लोकसभा क्षेत्र के गढ़वा जिले के अंती दुर्गम क्षेत्र अवस्थित बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र के मतदान लोकसभा चुनाव 2024 में पूरे उत्साह के माहौल में मतदान करेंगे। इस क्षेत्र में भव्यमुक्त वालवाणी बना रही है और शार्ति व्यवस्था कायम हुई है।

उत्तर बांग में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के रवि कुमार में कही। वे अजय बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र के उत्तर में अंजीवन के लिए इस क्षेत्र में भव्यमुक्त वालवाणी बना रही है। शेष चुनावी ने कहा कि हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है।

उत्तर बांग में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी झारखंड के रवि कुमार में कही। वे अजय बुढ़ा पहाड़ क्षेत्र के उत्तर में अंजीवन के लिए इस क्षेत्र में भव्यमुक्त वालवाणी बना रही है। शेष चुनावी ने कहा कि हमलोगों ने बिहार के विकास के लिए काम किया है।



हेसात पहुंचे मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी व अन्य, बुढ़ा पहाड़ का मोटरसाइकिल से निरीक्षण करते के रवि कुमार

किलोमीटर मोटरसाइकिल से सफर कर मतदान केंद्र पर पहुंचने तक तैनात अन्य निर्वाचन पदाधिकारी व अन्य निर्वाचन पदाधिकारी के लिए इस क्षेत्र में समस्याओं को सुना। मतदान केंद्र पर न्यूतम सुविधाओं वथा पेयजल, शौचालय एवं अन्य न्यूतम सुविधाओं के संबंध में जवाओं की मेहनत से बहुत अचूक होती थी। उन्होंने मतदाताओं से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

## पुलिस और एसएसबी जवानों का भारत नेपाल सीमा पर संयुक्त पलैग मार्च

गढ़वा। गढ़वा चंद्रदाता के लोकसभा चुनाव के मद्देनजर शुक्रवार को सिक्टी थाना पुलिस और अम्बाड़ी कैप के भारत-नेपाल सीमा पर पलैग मार्च किया गया। पलैग मार्च समाज में सुरक्षा और सद्व्यवहार की भावना पैदा करने और स्वतंत्र, निष्पक्ष और भव्यमुक्त वालवाणी बनाना चाहिए। उन्होंने इस क्षेत्र के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत की। उनकी

प्रत्यक्षीय व्यवस्था के लिए इस क्षेत्र के रवि कुमार की ओर से बातचीत

